उत्थान

स्कूल, आँगनवाड़ी और समुदाय में शिक्षा एवं स्वास्थ्य विकास कार्यक्रम झज्जर, हरियाणा

QUALITY EDUCATION

GOOD HEALTH AND WELL-BEING

GENDER EQUALITY

उत्थान परियोजना का उद्देश्य बच्चों, किशोरियों और महिलाओं के बीच स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार करना है। इस परियोजना का क्रियान्वयन हरियाणा के झज्जर ज़िले में मातनहेल ब्लॉक के 12 गाँवों में प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनसीएचए), की पहुँच और जागरूकता सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करने के लिए किया जा रहा है। इसके लिए सामुदायिक सहभागिता पर आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करने के साथ ही साथ प्राथमिक शाला के बच्चों के लिए शिक्षण सहायता और महिलाओं के लिए साक्षरता कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

परियोजना मातनहेल ब्लॉक, झज्जर के 12 गांवों झारली, झामरी, खानपुर कलाँ, खानपुर खुर्द, बाजिदपुर, सासरोली, सुंदरेहटी, लडायन, अमदल शाहपुर, अखेहरी मदनपुर, ढलानवास और सेहलंगा में क्रियान्वित की जा रही है। इन गाँवों की आबादी लगभग 36,000 है, जिनमें 15,546 महिलाएँ और 4,252 बच्चे (0–6 आयु वर्ग) शामिल हैं। यह परियोजना जुलाई 2022 में शुरू हुई थी और मार्च 2025 तक जारी रहेगी।

इस परियोजना में निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल हैं:

- 40 आँगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं के विकास में सहयोग करना और इन सेवाओं के लिए 5 आँगनवाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढाँचे में सुधार करना
- सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (सीएचडब्ल्यू), नर्सिंग सहायिकाओं और दाइयों (एएनएम), मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) और आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित 100 फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाना
- 500 किशोरियों में क्लबों के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, किशोर प्रजनन और यौन स्वास्थ्य आदि के बारे जागरूकता को बढ़ावा देना
- 1,100 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कदम कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों के सीखने के स्तर को बढ़ाना
- 1,000 निरक्षर महिलाओं को प्रमाणित कंप्यूटर आधारित कार्यात्मक साक्षरता प्रौद्योगिकी के माध्यम से कार्यात्मक साक्षरता प्रशिक्षण प्रदान करना

उत्थान परियोजना की टीम महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), शिक्षा विभाग, ज़िला शिक्षा अधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा अधिकारी, सबके लिए शिक्षा (ईएफए), बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ), पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायती राज संस्थान (पीआरआई) के सदस्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप–केंद्र के साथ मिल कर कार्य कर रही है।

इस परियोजना को झज्जर पावर लिमिटेड (अप्रावा एनर्जी कंपनी) के साथ साझेदारी में ह्यूमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

HUMANA
PEOPLE TO PEOPLE INDIA

ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया (एचपीपीआई) एक विकास संगठन है जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के तहत एक गैर–लाभकारी कंपनी के रूप में 21 मई 1998 से पंजीकृत है। यह एक गैर–राजनीतिक, गैर–धार्मिक संगठन है जो ग्रामीण और शहरी भारत में सामाजिक रूप से पिछड़े और वंचित लोगों के समग्र विकास का काम कर रहा है। एचपीपीआई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, सार्वजनिक और निजी भागीदारों के साथ साझेदारी से काम करता है। एचपीपीआई 28 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच के साथ भारत के 15 राज्यों में 70 से अधिक परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है।

APRAVA
ENERGY

अप्रावा एनर्जी पारिस्थितिकीय रूप से संतुलित वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका ताप विद्युत संयंत्र, झज्जर पावर लिमिटेड (जेपीएल) भारत के राजधानी क्षेत्र में पहला और एकमात्र ऐसा ऊर्जा संयंत्र है, जिसमें फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) तकनीक स्थापित की गई है। इस तकनीक के उपयोग का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना और संयंत्र के निकटवर्ती क्षेत्रों के आसपास स्वस्थ वातावरण के निर्माण में योगदान देना हैं। जेपीएल कार्यक्षेत्र स्वच्छ प्रौद्योगिकी को अपनाने और संयंत्र के आसपास रहने वाले लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिहाज से विकसित संस्थानों का एक उदाहरण है। अप्रावा एनर्जी का ध्यान समान रूप से जैव विविधता, पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के साथ ही हरित भविष्य के निर्माण पर केंद्रित है।

संपर्क:

परियोजना अधिकारी: अनीता बिश्ट, झज्जर
फोन नम्बर: 8800194953
निदेशक: कैलाश खण्डेलवाल
फोन नम्बर: 9560434695
111/9 Z, अरुणा आसफ अलि मार्ग किशनगढ़, वसंत कुंज, नई दिल्ली
humana-india.org